**राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा**

**उद्यमिता पखवाड़ा (21 अगस्त - 3 सितंबर 2025)**

**विस्तृत रिपोर्ट**

राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा, हरियाणा में 21 अगस्त से 3 सितंबर 2025 तक उद्यमिता पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया। यह 15-दिवसीय पहल हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप थी, जो विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दी गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को उद्यमिता, आत्मनिर्भरता, और नवाचार के क्षेत्र में प्रेरित करना था, ताकि वे न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनें, बल्कि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने में योगदान दे सकें। इस पखवाड़े में विभिन्न गतिविधियों जैसे व्याख्यान, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, और रोजगार मेलाके माध्यम से छात्राओं को उद्यमिता के प्रति प्रेरित किया गया। प्रत्येक दिन का आयोजन एक विशिष्ट थीम के इर्द-गिर्द केंद्रित था, जो छात्राओं को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था।कार्यक्रम का समापन महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. रामनिवास जंगम के प्रेरणादायी उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने भारत की आर्थिक संभावनाओं और युवाओं की भूमिका पर जोर दिया।

**पखवाड़े की गतिविधियाँ और विवरण**

नीचे प्रत्येक दिन की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया गया है:

**21 अगस्त: उद्घाटन समारोह और शेयर मार्केट में करियर अवसर**

* **विषय**: शेयर मार्केट में करियर अवसर
* **मुख्य वक्ता**: श्री अरुण पूनिया, सिक्योरिटी मार्केट ट्रेनर, SEBI विभाग

पखवाड़े का उद्घाटन समारोह 21 अगस्त को आयोजित किया गया। इस दिन श्री अरुण पूनिया ने छात्राओं को शेयर मार्केट में निवेश के अवसरों और करियर की संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने निवेश के विभिन्न पहलुओं, जैसे जोखिम प्रबंधन और वित्तीय नियोजन, पर विस्तार से चर्चा की। व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं में वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता की समझ को बढ़ाना था।

**22 अगस्त: अर्थशास्त्र में उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और अध्ययन**

* **विषय**: अर्थशास्त्र में उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और अध्ययन
* **मुख्य वक्ता**: डॉ. मंजू शर्मा, सहायक प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, मडलौड़ा

डॉ. मंजू शर्मा ने अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण से उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे उद्यमिता आर्थिक विकास और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का आधार बन सकती है। छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया और उद्यमिता को उनके शैक्षिक और व्यावसायिक जीवन से जोड़ा गया।

**23 अगस्त: बिजनेस आइडिया का उपयोग और उद्यमिता विकास**

* **विषय**: बिजनेस आइडिया का उपयोग और उद्यमिता विकास
* **मुख्य वक्ता**: डॉ. गणेश दास, सहायक प्रोफेसर, राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा

डॉ. गणेश दास ने बिजनेस आइडिया को व्यावहारिक रूप में लागू करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को नवाचार और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उद्यमिता विकास के लिए आवश्यक कौशलों और रणनीतियों पर जोर दिया।

**25 अगस्त: सरकारी योजनाएँ और उद्यमिता सहायता**

* **विषय**: सरकारी योजनाएँ और उद्यमिता सहायता
* **मुख्य वक्ता**: श्री प्रवीण शर्मा, MSME जॉइंट कमिश्नर

श्री प्रवीण शर्मा ने छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, जैसे स्टार्टअप इंडिया और मुद्रा योजना, के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कैसे छात्राएँ अपने उद्यम आइडिया को सरकारी सहायता के माध्यम से कार्यान्वित कर सकती हैं। यह सत्र विशेष रूप से व्यावहारिक और प्रेरणादायी रहा।

**26 अगस्त: स्लोगन लेखन प्रतियोगिता**

* **कार्यक्रम**: उद्यमिता विषयक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

इस दिन छात्राओं ने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले रचनात्मक स्लोगन तैयार किए। इस प्रतियोगिता ने छात्राओं की रचनात्मकता और उद्यमिता के प्रति उत्साह को प्रदर्शित किया। यह आयोजन छात्राओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक करने और उनकी अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने में सहायक रहा।

**27 अगस्त: भारतीय ज्ञान परंपरा और आत्मनिर्भरता**

* **विषय**: भारतीय ज्ञान परंपरा और आत्मनिर्भरता
* **मुख्य वक्ता**: आचार्य महावीर प्रसाद जी

आचार्य महावीर प्रसाद जी ने भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार पर आत्मनिर्भरता की अवधारणा को समझाया। उन्होंने प्राचीन भारतीय मूल्यों और आधुनिक उद्यमिता के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया। यह सत्र छात्राओं के लिए प्रेरणादायी और दार्शनिक दृष्टिकोण से समृद्ध था।

**28 अगस्त: जागरूकता रैली**

* **कार्यक्रम**: उद्यमिता जागरूकता रैली
* **स्थान**: राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा

उद्यमिता के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्थानीय समुदाय को उद्यमिता के प्रति प्रेरित किया।

**29 अगस्त: उद्यमिता में इतिहास की भूमिका**

* **विषय**: उद्यमिता में इतिहास की भूमिका
* **मुख्य वक्ता**: डॉ. विनय कुमार, राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा

डॉ. विनय कुमार ने प्राचीन और आधुनिक व्यापार की तुलना करते हुए उद्यमिता में इतिहास की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक व्यापारिक प्रथाएँ आधुनिक उद्यमिता के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकती हैं।

**30 अगस्त: जॉब फेयर**

* **कार्यक्रम**: जॉब फेयर
* **स्थान**: करनाल

छात्राओं को रोजगार के अवसरों से परिचित कराने के लिए करनाल में आयोजित एक रोजगार मेला में ले जाया गया। इस आयोजन ने छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों और उद्यमिता से संबंधित अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

**1 सितंबर: उद्यमिता का वर्तमान प्रासंगिकता**

* **विषय**: उद्यमिता का वर्तमान प्रासंगिकता
* **मुख्य वक्ता**: डॉ. उमेश कुमार, राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा

डॉ. उमेश कुमार ने आधुनिक संदर्भ में उद्यमिता की प्रासंगिकता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में उद्यमिता आर्थिक विकास और व्यक्तिगत सशक्तिकरण के लिए कितनी महत्वपूर्ण है।

**2 सितंबर: बिजनेस आइडिया का कार्यान्वयन और सरकारी सहायता**

* **विषय**: बिजनेस आइडिया का वर्तमान में कार्यान्वयन और सरकारी सहायता
* **मुख्य वक्ता**: श्री राकेश गर्ग, टेक्सटाइल इंडस्ट्रियलिस्ट, थिराना

श्री राकेश गर्ग ने व्यावहारिक बिजनेस आइडिया को लागू करने के उपाय सुझाए। उन्होंने सरकारी योजनाओं के माध्यम से उद्यमियों को मिलने वाली सहायता पर भी प्रकाश डाला।

**3 सितंबर: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और उद्यमिता**

* **विषय**: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के विभिन्न पहलू और सार्थक प्रयोग
* **मुख्य वक्ता**: डॉ. अमृता, डीन अकादमिक अफेयर्स, BPSMV

डॉ. अमृता ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उद्यमिता में उपयोग और इसके भविष्य में योगदान पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि AI कैसे नवाचार और व्यवसाय में क्रांति ला सकता है।

**समापन समारोह (3 सितंबर 2025)**

पखवाड़े का समापन राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा के उप-प्राचार्य डॉ. रामनिवास जंगम के प्रेरणादायी उद्बोधन के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया:

* **चीन का उदाहरण**: डॉ. जंगम ने बताया कि 1990 तक चीन की विकास दर भारत से कम थी, लेकिन योजनाबद्ध प्रयासों और उद्यमिता के क्रमिक विकास के बल पर आज चीन एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बन चुका है।
* **भारत की संभावनाएँ**: उन्होंने कहा कि भारत में अपार संभावनाएँ हैं, और युवा ज्ञान-विज्ञान, नवाचार, और आधुनिक तकनीक में सक्षम हैं। सही मार्गदर्शन और अवसरों के साथ, वे भारत को विश्व की अग्रणी आर्थिक शक्ति बना सकते हैं।
* **युवाओं के लिए प्रेरणा**: डॉ. जंगम ने छात्राओं को पारंपरिक नौकरियों से आगे बढ़कर स्टार्टअप संस्कृति अपनाने, नवाचार को प्राथमिकता देने, और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके रोजगार सृजन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।
* **भविष्य का दृष्टिकोण**: उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा शक्ति और उद्यमिता की भावना भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ. मुनीराम तंवर ने कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक आयोजन किया। समापन समारोह में डॉ. गणेश दास, डॉ. उमेश, डॉ. रेखा, डॉ. विनय कुमार, और महाविद्यालय की अनेक छात्राएँ और प्राध्यापक उपस्थित रहे। यह 15-दिवसीय उद्यमिता पखवाड़ा राजकीय महिला महाविद्यालय, मडलौड़ा में अत्यंत सफल रहा। विभिन्न विशेषज्ञों के व्याख्यान, रचनात्मक गतिविधियाँ, और जागरूकता रैली ने छात्राओं में उद्यमिता के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास जगाया। सरकारी योजनाओं और आधुनिक तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से परिचय ने छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्राओं को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि भारत के आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी को भी सुनिश्चित करते हैं।